'स्पेन का पलड़ा निश्चित रूप से फाइनल में भारी होगा क्योंकि जिस तरह से वे खेल रहे हैं, उसे देखकर उनकी टीम पूरी तरह से संतुलित दिख रही है -बाईचुंग भूटिया

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान इंग्लैंड के खिलाफ यूरो कप फाइनल में स्पेन को जीतते हुए देखना चाहते हैं।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

यशस्वी जायसवाल

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने खुलासा किया कि जिंबॉब्वे के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वह और कप्तान शुभमन गिल बिना किसी नुकसान के लक्ष्य हासिल करना चाहते थे जिसमें वह सफल भी रहे। जायसवाल ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा साझा किए गए वीडियो में कहा,'हम केवल मैच का सकारात्मक अंत करने के बारे में सोच रहे थे और यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि टीम जीते और हम बिना किसी नुकसान के लक्ष्य हासिल करें।' इस मैच में जीत से भारत ने पांच मैच की सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़ त हासिल की।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेन्द्र तेबु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टेस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

आखिरी टी-20 में भी हारा जिम्बाब्वे, भारत ने 4-1 से श्रृंखला जीती

भारत की युवा टीम का विदेशी दौरे में शानदार प्रदर्शन

हरारे, 14 जुलाई। संजू सैमसन (58) की मुश्किल समय में खेली गयी अर्धशतकीय पारी और मुकेश कुमार (22 रन पर चार विकेट) की उम्दा गेंदबाजी की मदद से भारत ने पांचवें टी20 मैच में रविवार को ज़िम्बाब्वे को 42 रन से धो दिया और इसके साथ ही भारत की युवा ब्रिगेड ने सीरीज को 4-1 से अपने नाम कर लिया।

हरारे स्पोर्टस क्लब मैदान पर भारत ने पहले खेलते हुये छह विकेट पर 167 रन बनाये जिसके जवाब में जिम्बाब्वे की पूरी टीम 125 रन पर सिमट गयी। भारत की युवा टीम ने विदेशी दौरे में शानदार प्रदर्शन किया। पहला टी20 मैच हारने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पलटवार करते हुये सीरीज के बचे हुये सभी चार मैच एकतरफा अंदाज में जीते।

आज के मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम एक समय 40 रन पर तीन अहम विकेट गंवा कर मुश्किल में फंस गयी थी। ऐसे में संजू ने एक छोर संभाल कर मेजबान गेंदबाजी आक्रमण का संयम से सामना किया और रियान पराग (22) के साथ भारत के स्कोर को तीन अंको तक पहुंचाया। ब्लेसिंग मुज़ाराबानी की गेंद पर आउट होने से पहले विकेटकीपर बल्लेबाज ने कई दर्शनीय शाट्स खेले जिसमें उनके चार ऊंचे छक्के शामिल थे। रियान के आउट होने के बाद संजू का साथ देने आये शिवम दुबे (26) ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और महज 12 गेंदो की पारी में दो चौके और दो छक्के जड़े। हालांकि वह पारी के आखिरी ओवर में रन चुराने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे लेकिन दूसरे छोर पर रिंकू सिंह (11 नाबाद) ने स्कोरबोर्ड को 167 रनो तक पहुंचाने में सफलता हासिल की।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे का पहला विकेट पहले ही ओवर में मुकेश कुमार ने झटक कर अपने इरादे जता दिये थे। मुकेश ने स्पेल के अगले ओवर में ब्रायन बेनेट (10) को चलता कर मेजबान टीम को दूसरा झटका दिया। तड़िवनाशे मारुमानी (27) और डिओन मेयर्स (34) ने कुछ देर तक भारतीय आक्रमण के सामने टिकने की कोशिश की लेकिन वशिंगटन सुंदर ने मारुमानी को पगबाधा आउट कर पनप रही साझीदारी का अंत किया।

कप्तान सिंकदर रजा (8) को शिवम ने सीधे थ्रो से रन आउट किया। मेयर्स की पारी का अंत शिवम दुबे ने ही किया। पुछल्ले बल्लेबाज में सिर्फ फराज अकरम (27) ही कुछ देर चले। उन्होने दो चौके और दो छक्के लगा कर दर्शकों का मनोरंजन किया मगर यह भारत को जीत से दूर करने के लिये अपर्याप्त पारी थी। भारत के लिये मुकेश कुमार के अलावा शिवम दुबे ने दो विकेट निकाले जबकि तुषार देशपांडे, अभिषेक शर्मा और वशिंगटन सुंदर को एक एक विकेट मिला।

रिकी पोंटिंग ने दिल्ली कैपिटल्स का कोच पद छोड़ा

गांगुली को दी जा सकती है जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 14 जुलाई। रिकी पोंटिंग अगले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के कोच नहीं होंगे। वे दिल्ली कैपिटल्स से अलग हो गए हैं। इसकी जानकारी फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर दी है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग पिछले 7 साल से दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच थे। उनके कार्यकाल में दिल्ली कैपिटल्स कभी चैंपियन नहीं बन पाई है। पोंटिंग के जाने के बाद यह संभावना जताई जा रही है कि टीम के मौजूदा निदेशक सौरव गांगुली को अगले सत्र में मुख्य कोच की भी जिम्मेदारी दी जा सकती है। दिल्ली कैपिटल्स ने सोशल मीडिया पर लिखा, आपने सात सालों में टीम को कई चीजें सीखाई। आपके योगदान को शब्दों में बयां करना संभव नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया के दो बार के वर्ल्ड कप टीम के कप्तान रहे रिकी पोंटिंग 2019 में टीम के मुख्य कोच बने थे। उनके मार्गदर्शन में टीम 2021 में पहली बार फाइनल में पहुंचने में सफल रही। वहीं 2019 और 2020 में प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। 2021 के बाद टीम का प्रदर्शन में गिरवाट आई। टीम प्ले ऑफ तक नहीं पहुंच सकी। वहीं 2024 में दिल्ली कैपिटल्स छठे नंबर पर रही। टीम के सहायक कोच प्रवीण आमरे पद पर बने रहेंगे।

वहीं उम्मीद की जा रही है कि सौरव गांगुली को मुख्य कोच की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जा सकती है। दिल्ली के सह-मालिक जेएसडब्ल्यू और जीएमआर समूह की इस महीने के अंत में या अगले महीने की शुरुआत में बैठक होने वाली है। इस बैठक में अगले कोच को लेकर बातचीत की जाएगी। 36 साल के जोकोविच यदि फाइनल मुकाबला जीतते तो वो इतिहास रचते। मगर उन्होंने यह मौका गंवा दिया। इस जीत के साथ ही जोकोविच के पास टेनिस इतिहास में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड बन जाता।

वॉलीबाल वैगनर मेमोरियल में पोलैंड ने जर्मनी को हराया

वारसॉ, 14 जुलाई। पोलैंड की पुरुष वॉलीबॉल टीम ने क्राको के ह्यूबर्ट वैगनर मेमोरियल में शानदार वापसी करते हुए शनिवार को जर्मनी को 3-2 (20-25, 22-25, 25-19, 25-21, 15-12) से हरा दिया। निकोला ग्रबिक द्वारा प्रशिक्षित टीम ने मिस्त्र को सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत हासिल की। लुकाज़ काकज़मारेक 15 अंकों के साथ सबसे शानदार खिलाड़ी थे, जबकि माटुस्ज़ बिएनिएक ने 14 अंक जोड़े।

ग्योर्गी ग्रोज़र और एंटोन ब्रेहमे ने जर्मनी के लिए 15-15 अंक दिए। पोलिश कोच माइकल विनियार्स्क के नेतृत्व में मेहमान टीम ने मजबूत शुरुआत करते हुए टोबियास क्रिक के मध्य से अच्छे आक्रमण की मदद से पहला सेट 25-20 से जीत लिया। उन्होंने दूसरे सेट में भी गति जारी रखी और एक प्रभावी ब्लॉक के साथ बढ़ त हासिल कर स्कोर 25-22 कर लिया। हालाँकि, पोलैंड के टोमाज़ फ़ोर्नाल, काकज़मारेक और ग्रेज़गोर्ज़ लोमैकज़ ने रफ्तार में चालाकी से परिवर्तन करते हुये मेजबान टीम को शानदार वापसी दिलाई।

विम्बलडन के फाइनल में अल्काराज ने जोकोविच को हराया, जीता चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब

नई दिल्ली, 14 जुलाई। टेनिस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट विंबलडन 2024 का पुरुष एकल मुकाबला रविवार को सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और स्पेन के कार्लोस अल्कारेज के बीच खेला गया। इस मुकाबले में अल्काराज ने सर्बियाई स्टार को सीधे सेटों में हराकर इतिहास रच दिया। उन्होंने अपने करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। फाइनल मैच में अल्काराज ने स्टार टेनिस खिलाड़ी जोकोविच को सीधे सेटों में 6-2, 6-2, 7-6 से करारी शिकस्त दी। 36 वर्षीय सर्बियाई स्टार के पास अपनी पिछली हार का बदला लेने का सुनहरा मौका था। हालांकि, वह इस मौके को भुना नहीं पाए और अल्काराज ग्रैंड स्लैम खिताब का बचाव करने में कायमाब रहे।

पेरिस ओलंपिक में छह भारतीय रेसलर लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 14 जुलाई। 26 जुलाई से पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत हो जाएगी जिसको लेकर अब कई देशों के एथलीट्स ने फ्रांस की राजधानी में पहुंचना भी शुरू कर दिया है। भारत की तरफ से भी अब तक का सबसे बड़ा दल ओलंपिक में हिस्सा लेगा, जिसमें कई इवेंट्स के खेलों में पदक जीतने की उम्मीद है। इसी में एक रेसलिंग एक ऐसा इवेंट है जिसमें पिछले कुछ सालों में भारत के पुरुष और महिला रेसलर खिलाड़ियों का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला है, ऐसे में इस बार सभी को ओलंपिक में पदक जीतने की भी उम्मीद होगी। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई को जहां ओपनिंग सेरेमनी होगी तो वहीं24 जुलाई से इवेंट्स की शुरुआत हो जाएगी। भारत की तरफ से पेरिस ओलंपिक में रेसलिंग के इवेंट में कुल 6 रेसलर हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें से 5 महिला जबकि एक पुरुष रेसलर है। महिला रेसलर में बात की जाए तो उसमें अंतिम पंघाल, विनेश फोगाट, रितिका हुडा, अंशू मलिक और निशा दहिया का नाम है। इसमें यदि किसी रेसलर से मेडल जीतने की उम्मीद है तो उसमें विनेश फोगाट का नाम सबसे पहले आता है जो पिछले काफी समय से शानदार फॉर्म में हैं। विनेश ओलंपिक में महिला रेसलिंग के 50 किलोठाम कैटेगिरी के इवेंट में हिस्सा लेंगी। वहीं पुरुष रेसलर में भारत की तरफ से सिर्फ अमन सेहरावत हिस्सा ले रहे हैं जिनको फ्रीस्टाइल 57 किलोग्राम की कैटेगिरी में जगह मिली है। रेसलिंग के इवेंट में पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने भारतीय खिलाड़ी- अंतिम पंघाल - महिला 53 किलोग्राम कैटेगिरी, विनेश फोगाट - महिला 50 किलोठग्राम कैटेगिरी, अंशू मलिक - महिला 57 किलोग्राम कैटेगिरी, रितिका हुडा - महिला 76 किलोग्राम कैटेगिरीट, निशा दहिया - महिला 68 किलोग्राम कैटेगिरी, अमन सेहरावत - पुरुष फ्रीस्टाइल, 57 किलोग्राम कैटेगिरी।

युवराज सिंह की सेना बनी लीजेंड्स विश्व चैम्पियनशिप की विजेता

पाकिस्तान को फाइनल मुकाबले में पांच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया

बर्मिंघम,13 जुलाई। अंबाती रायुडू (50) और यूसुफ पठान की (30) रनों की शानदार तूफानी पारियों की बदौलत इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान को फाइनल मुकाबले में पांच विकेट से हराकर लीजेंड्स विश्व चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया।

खिताबी मुकाबले में 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया चैंपियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीन ओवर में 38 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये थे। रॉबिन उथप्पा (10) और सुरेश रैना (4) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे समय में अंबाती रायुडू और गुरकीरत सिंह ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिये 60 रन जोड़े। अंबाती रायुडू ने 30 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुये (50) रन बनाये। गुरकीरत सिंह 33 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुये। युवराज सिंह और यूसुफ पठान ने पांचवें विकेट के लिये महत्वपूर्ण 42 रन जोड़े। 19वें ओवर में वहाब रियाज ने यूसुफ पठान को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

यूसुफ पठान ने 16 गेंदों में तीन छक्के और एक चौका लगाते हुये 30 रन बनाये।

युवराज सिंह (15) और इरफान पठान (5) रन बनाकर नाबाद रहे। इंडिया चैंपियंस ने 19.1 ओवर में पांच विकेट पर 159 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया हैं। पाकिस्तान की ओर से आमेर यमीन ने दो विकेट लिये। शोएब मलिक, वाहब रियाज और सईद अजमल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले पाकिस्तान ने आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शोएब मलिक (41) रनों की पारी के दम पर पाकिस्तान चैंपियंस ने इंडिया चैंपियंस को जीत के लिये 157 रनों का लक्ष्य दिया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरे ही ओवर में अनुरीत सिंह ने शरजील खान (12) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कमरान अकमल ने सोहेब मकसूद के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। पांचवें ओवर में विनय कुमार ने सोहेब मकसूद (21) को राहुल शुक्ला के हाथों कैच आउट करा भारत को दूसरी सफलता दिलाई। कप्तान यूनुस खान को इरफान पठान ने बोल्ड आउट किया।

मिस्बाह उल हक नाबाद (18) रिटायर्ड हुये। आमेर यमीन (7) रन बनाकर आउट हुये। शोएब मलिक ने 36 गेंदों में तीन छक्के लगाते हुये (41) रन बनाये। शाहिद अफरीदी (4) और सोहेल तनवीर (19) रन पर नाबाद रहे। पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 156 रन बनाये। भारत की ओर से अनुरीत सिंह ने तीन विकेट लिये। रंगनाथ विनय कुमार, पवन नेगी, हरभजन सिंह और इरफान पठान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अंशुमन की मदद के लिए बीसीसीआई ने बढ़ाये हाथ

कैंसर से लड़ रहे हैं पूर्व क्रिकेटर और कोच अंशुमान

मुंबई, 14 जुलाई। कैंसर से लड़ रहे पूर्व क्रिकेटर और कोच अंशुमान गायकवाड़ की मदद के लिये भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाथ बढ़ाये हैं। बीसीसीआई पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज के इलाज के लिए एक करोड़ रुपये की तत्काल वित्तीय सहायता देगा। यह निर्णय 71 वर्षीय दिग्गज के समर्थन में क्रिकेट जगत और प्रशंसकों की व्यापक अपील के बाद आया है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समर्थन और सांत्वना देने के लिए गायकवाड़ के परिवार से व्यक्तिगत रूप से बात की है। शाह ने रविवार को कहा, बीसीसीआई शीर्ष परिषद ने वित्तीय सहायता को मंजूरी दे दी है, और हमने गायकवाड़ के इलाज के लिए तत्काल प्रभाव से एक करोड़ रुपये जारी करने का निर्देश दिया है। हम उनके परिवार के साथ खड़े हैं और उनके शीघ्र स्वस्थ होने में सहायता के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। हमें विश्वास है कि वह इस बीमारी से उबरेंगे और मजबूत होकर उभरेंगे।

पूर्व पाकिस्तानी ऑलराउंडर बिली इबादुल्ला का निधन

लाहौर ,14 जुलाई। पूर्व पाकिस्तानी ऑलराउंडर बिली इबादुल्ला का शुक्रवार को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने 1964 और 1967 के बीच चार टेस्ट खेले और टेस्ट डेब्यू पर शतक लगाने वाले पाकिस्तान के पहले बल्लेबाज़ थे।

क्रिकइंफो के अनुसार इबादुल्ला ने 1964 में कराची में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू कियाथा और पहली पारी में 166 रन बनाए। वह अपने साथी डेब्यूटेंट और विकेटकीपर अब्दुल क़ादिर के साथ 249 रन की ओपनिंग साझेदारी का हिस्सा थे। यह साझेदारी एक कीर्तिमान थी, जो आज तक कोई भी नहीं तोड़ पाया है। यह टेस्ट क्रिकेट में किसी भी विकेट के लिए दो पदार्पण करने वालों बल्लेबाज़ों के बीच की सर्वोच्च साझेदारी थी।

हालांकि इबादुल्ला ने केवल तीन और टेस्ट खेले, जहां उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 32 रन था। उन्होंने एक विकेट भी लिया था। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक सफल बल्लेबाज़ थे। उन्होंने 27.28 की औसत से प्रथम श्रेणी 17,078 रन बनाए और 30.96 की औसत से 462 विकेट लिए। उनके 417 प्रथम श्रेणी मैचों में से 377 विकेट वारविकशायर के लिए थे। वारविकशायर लिए उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक खेला। बाद में वह न्यूज़ीलैंड चले गए और कुछ सीज़न ओटागो के लिए खेले।

पहले नंबर पर पहुंची टीम इंडिया

टीम इंडिया विरोधी टीम के घर पर सबसे ज्यादा टी-20 इंटरनेशनल मैच जीतने वाली टीम बन गई है

नई दिल्ली, 14 जुलाई। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को पांचवें टी-20 मैच में 42 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ टीम इंडिया ने टी-20 सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली है। पूरी सीरीज में युवा प्लेयर्स ने कमाल का प्रदर्शन किया। भारत को पहले मैच में जरूर हार झेलनी पड़ी थी। लेकिन इसके बाद टीम इंडिया ने दमदार वापसी की और अगले चार मैच जीत लिए। भारतीय टीम के लिए सीरीज में रवि बिश्नोई, शिवम दुबे, ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल ने अच्छा प्रदर्शन किया।

जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत दर्ज करते ही टीम इंडिया विरोधी टीम के घर पर सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल मैच जीतने वाली टीम बन गई है। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को पीछे कर दिया है। इंडियन टीम ने विरोधी टीम के घर पर अब तक 51 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले जीते हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले भारत और पाकिस्तान दोनों बराबरी पर थे। लेकिन अब पाकिस्तानी टीम दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। उसने विरोधी टीम के घर पर 50 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले जीते हैं। 39 जीत के साथ इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम तीसरे नंबर पर है।

पांचवें टी20 मैच में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इंडियन टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 167 रन बनाए। भारतीय टीम की शुरुआत बहुत ही खराब रही। जब शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जल्दी आउट होकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद अभिषेक शर्मा भी खास कमाल नहीं दिखा पाए और आउट हो गए। फिर संजू सैमसन, शिवम दुबे और रियान पराग ने दमदार बैटिंग की। इन प्लेयर्स की वजह से ही भारतीय टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पाई। भारतीय टीम के लिए संजू ने 58 रन बनाए। दुबे ने 26 रनों का योगदान दिया। वहीं रियान पराग ने 22 रन बनाए। बल्लेबाजों के बाद भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। मुकेश कुमार टीम के लिए सबसे बड़े हीरो साबित हुए। उन्होंने 4 विकेट हासिल किए। इसके अलावा शिवम दुबे के खाते में 2 विकेट गए।

आईएचएफ ट्रॉफी हैंडबॉल में भारत दोनों वर्गों में चैम्पियन

बांग्लादेश दोनों वर्ग में उपविजेता रही, यूथ में नेपाल तथा जूनियर में मालदीव तीसरे स्थान पर

मुख्य अतिथि राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने दिये पुरस्कार

जयपुर, 14 जुलाई। मेजबान भारत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सवाई मान सिंह इंडोर स्टेडियम में रविवार को संपन्न आईएचफ़ ट्रॉफी हैंडबॉल में यूथ व जूनियर वर्ग का ख़िताब अपने नाम किया। यूथ वर्ग के खिताबी मुक़ाबले में भारत ने बांग्लादेश को 56-36 से हराया। मध्यांतर तक भारत ने 31-14 से बढ़ त बना रखी थी। मालदीव को हरा नेपाल ने तीसरा स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग के फाइनल ने भारत ने बांग्लादेश को 55-25 से हराया। हाफ टाइम तक भारत 31-16 से आगे था। नेपाल को हराकर मालदीव तीसरे स्थान पर रहा।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार राजेंद्र राठौड़ थे। समारोह की अध्यक्षता हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने की। जबकि विशिष्ठ अतिथि दक्षिण एशियाई हैंडबॉल महासंघ के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पांडे, पीएचएल के ओनर अभिनव बांठिया, विज्ञान लोढ़ा, आईएचएफ़ के लेक्चरर ट्ययूनीशिया से समीर मैक्लॉफ़ व कुवैत से डॉ. ख़ालिद अल्सारजी व टेबिल्टन इंडिया के निदेशक डॉ. सौरभ जैन थे। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह ने बताया कि आईएचफ़ ट्रॉफी हैंडबॉल में यूथ व जूनियर वर्ग में चार देशों मेजबान भारत, नेपाल, मालदीव व बांग्लादेश की टीमों ने भाग लिया। जबकि निर्णायक कतर व कुवैत से आये थे। जबकि आईएचएफ़ के लेक्चरर ट्ययूनीशिया से समीर मैक्लॉफ़ व कुवैत से डॉ. ख़ालिद अल्सारजी आये। सभी देशों के खिलाड़ी व ऑफिशियल्स ने इस पाँच दिवसीय टूर्नामेंट आयोजन की बहुत बहुत प्रशंसा की।

यह जयपुर में चौथी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता थी। इससे पहले 1996 में पहली दक्षिण एशियाई हैंडबॉल चैंपियनशिप (पुरुष व महिला), 2011 में आईएचएफ़ इंटर कांटीनेंटल ट्रॉफी व 2019 में एशियन यूथ महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें दस देशों की टीमों ने भाग लिया था। यूथ वर्ग में मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर भारत के नवदीप को अतिरिक्त कमिश्नर इनकम टैक्स राजेंद्र शेखावत पुरस्कार दिया। जूनियर वर्ग के मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर भारत के अनूप को हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला व पीएचएल के ओनर अभिनव बाँठिया ने पुरस्कार दिया।